सहपीडिया यूनेस्को अध्येतावृत्ति

परिशिष्ट- IV

प्रदेय का विवरण

शोध

नयी सूचना की खोज या एक अलग निष्कर्ष और समझ तक पहुँचने के उद्देश्य से एक नये या प्रस्तुत विषय (विषयों) तथा स्रोत (स्रोतों) की एक नियमित और विस्तृत खोज। शोध में मुख्य और गौण स्रोत निहित हैं। एक उम्मीदवार द्वारा इस श्रेणी के चयन में अनिवार्यत:, दिए गए प्रदेय में से लेखन-आधारित विकल्पों का चयन करना आवश्यक है।

दस्तावेज़ीकरण

नये या प्रस्तुत स्रोत का एक विस्तृत दृश्यात्मक अध्ययन एक वृत्तचित्र और फ़ोटोग्राफी के रूप में। इस विकल्प का चयन करने वाले उम्मीदवार से दृश्य-आधारित प्रदेय के चुनाव की अपेक्षा की जाती है।

संयोजन

इस श्रेणी का चयन करने वाला उम्मीदवार प्रदेयों में से अपने कथानक की स्पष्टता के समर्थन के लिए लेखन तथा दृश्य-आधारित दोनों विकल्पों का चयन कर सकता है।

लेखन-दिशा निर्देश

लेख विशेषज्ञों के लिए ना होकर सामान्य जनों के लिए नियत हैं। वे गैर-विशेषज्ञ पाठक के लिए स्पष्ट और सुलभ होने चाहिए। विशिष्ट शब्दावली और कठिन सन्दर्भों के प्रतिपादन से बचें।

लेखन स्पष्ट, और तर्क एवं कथानक सुसंगत तथा संक्षिप्त होने चाहिए। विस्तृत, जटिल वाक्यों से बचें तथा जितना हो सके, सरल शब्दों का चयन करें।

सभी लेख तथा वीडियो उचित रूप से सन्दर्भ सहित होने चाहिए। प्रत्येक प्रदेय के साथ विस्तृत सन्दर्भों/सन्दर्भ ग्रन्थ सूची/ स्रोतों की सूची निहित होनी चाहिए।

सभी क्षेत्रीय भाषा-सम्बन्धी प्रस्तुति यूनीकोड फॉन्ट्स में जमा किए जाने चाहिए।

Sahapedia.org पर प्रस्तुत उदाहरण:

प्रमुख राजस्थानी लोकगाथाओं का लोकतात्विक और साहित्यिक मूल्याङ्कन

हिन्दी साहित्य में बुन्देलखंडी संस्कृति

प्रदेय 1: एक विकल्प का चयन करें

1. विवरणात्मक अवलोकन: अवलोकन का तात्पर्य विषय के परिचयात्मल रूप में 3000 शब्दों के एक मूल लेख से है। इसमें विषय की मुख्य विशेषताएँ, मूल पहलुओं पर प्रकाश, प्रस्तुत साहित्य की समीक्षा तथा आगामी शोध की सम्भावनाएं निहित होनी चाहिए। जब तक कि विषय का दृश्य-सम्बन्धी वर्णन उपलब्ध न हो, अवलोकन में 5-10 दृष्टांत/चित्र शीर्षक सहित समाहित होने चाहिए। आदर्श रूप से चयनित उम्मीदवार को यह लेख लिखना चाहिए लेकिन, यदि आवश्यक हो तो वे एक विशेषज्ञ को अवलोकन को लिखने के लिए नियुक्त सकते हैं।

Sahapedia.org पर प्रस्तुत उदाहरण:

बुन्देलखण्ड की लोक-संस्कृति और इतिहास के संग्रह में हिन्दी साहित्य की भूमिका: एक मूल्यांकन

कुमाऊँनी रंगमंच

2. संक्षिप्त वृत्तचित्र (लगभग 15-20 मिनट) : एक संक्षिप्त वृत्तचित्र का वही उद्देश्य होना चाहिए जो कि एक विवरणात्मक अवलोकन लेख का होता है तथा जो विषय का परिचय दे सके। यह उचित रूप से संकल्पित, एक स्पष्ट कथानक, केन्द्रबिन्दु और विषय-वस्तु सहित होना चाहिए। सभी वीडियो के साथ अंग्रेजी में उपशीर्षक होने चाहिए।

   इसके अतिरिक्त, 500 शब्दों की एक समीक्षा भी आवश्यक है। आदर्श रूप से शोधार्थी को वृत्तचित्र की संकल्पना बनानी चाहिए, तथा इसके निर्माण का संचालन करना चाहिए। वे अपनी वीडियोग्राफी के लिए एक पेशेवर को नियुक्त कर सकते हैं।

Sahapedia.org पर प्रस्तुत उदाहरण:

बस्तर का गोंचा पर्व/The Goncha Festival of Bastar

(सभी वृत्तचित्र सम्बन्धी कार्य संस्था के सम्पादक द्वारा अनुमोदित होने चाहिए।)

प्रदेय II और III. किन्हीं दो का चयन करें।

1. विवरणात्मक-सहायक लेख: लगभग 1500 शब्दों का एक सहायक लेख जो अवलोकन के अन्तर्गत आने वाले व्यापक विषय की विशिष्ट विषय-वस्तु पर केन्द्रित हो। इसमें 3-5 चित्र समाहित किए जा सकते हैं। चयनित उम्मीदवार इस लेख को अवलोकन के अतिरिक्त लिख सकता है अथवा किसी अन्य विशेषज्ञ या शोधार्थी को नियुक्त कर सकता है।

Sahapedia.org पर प्रस्तुत उदाहरण:

मेहरु नेताम मुरिया: समकालीन मुरिया चित्रकार

वृन्दावनलाल वर्मा और मैत्रेयी पुष्पा के साहित्य में बुन्देलखण्ड के चित्रण में अंतर

2. सचित्र-निबन्ध (20 चित्र): एक सचित्र-निबन्ध विषय का दृश्यात्मक वर्णन है। चित्रों के साथ कथानक को स्थापित करने के लिए 500-800 शब्दों का एक लेख होना चाहिए। लेखन को चित्रों के साथ भूमिका तथा विस्तृत विवरण/ विस्तारित शीर्षक में विभाजित किया जा सकता है, या लिखित सामग्री के अंतर्गत संलग्न किया जा सकता है। फोटोग्राफी के साथ इस लेख को लिखने का कार्य शोधार्थी स्वयं कर सकता है, अथवा दोनों या दोनों कार्यों में से एक के लिए एक फोटोग्राफर/लेखक नियुक्त कर सकता है।

   चित्र के लिए विशेष निर्देश: कम से कम 1500 px लम्बी ओर से तथा 2 MB फाइल के आकार से कम नहीं)।

   (या)

   चित्र वीथिका (गैलरी) (30-50 चित्र): चित्र वीथिका में विषय का दृश्यात्मक दस्तावेज़ीकरण निहित होना चाहिए तथा इसमें एक सचित्र-निबन्ध का कथानक होना आवश्यक नहीं है। वीथिका में 200-300

शब्दों की एक लघ विवरणात्मक भूमिका तथा प्रत्येक चित्र के लिए विस्तृत शीर्षक होने चाहिए। शोधार्थी फोटोग्राफी के साथ लेखन का कार्य स्वयं कर सकते हैं, अथवा दोनों या दोनों कार्यों में से एक के लिए एक फोटोग्राफर/लेखक नियुक्त कर सकते हैं।

Sahapedia.org पर प्रस्तुत उदाहरण:

तस्वीरों में कुमाऊँनी रंगमंच

मुश्ताक खान फील्ड डायरी १९८३: गोदना का प्रलेखन

3. लिखित साक्षात्कार: किसी विशेषज्ञ/पेशेवर की विशेषज्ञता के क्षेत्र पर विचार या अनुभव, जो कि एक लिखित रूप में दर्ज किये जा सकते हैं। शोध पर आधारित एक प्रश्न सूची तैयार की जानी चाहिए, जिसमें 10 से अधिक प्रश्न न हों, जो कि विशिष्ट विषय-वस्तु पर आधारित हो और एक केन्द्रित चर्चा के लिए अनुकूल हों। साक्षात्कार शोधार्थी द्वारा संकल्पित एवं क्रियान्वित किया जाना चाहिए।

Sahapedia.org पर प्रस्तुत उदाहरण:

मैत्रेयी पुष्पा से बुन्देलखण्ड पर आधारित साहित्य एवं बुन्देलखण्डी संस्कृति पर एक साक्षात्कार

प्रख्यात रंगकर्मी ज़हूर आलम से डॉ. कुलिन कुमार जोशी की बातचीत